राजस्थान सरकार

कालेज शिक्षा विभाग, जयपुर

विद्यार्थी हित–केन्द्री अथवा संस्था/संकाय सदस्य विकास हेतु राजकीय महाविद्यालयों द्वारा क्रियान्वित/प्रारम्भ किये गये

1. महाविद्यालय का नाम : **राजकीय महाविद्यालय बून्दी**
2. स्थान का नाम एवं जिला : स्थान : **बून्दी** जिला : **बून्दी**
3. क्या महाविद्यालय 2f एवं 12B मान्यता प्राप्त है?: 2f हॉ ☑ नही ☐ 12B हॉ ☑ नही ☐
4. महाविद्यालय द्वार क्रियान्वित/प्रारम्भ किया गया श्रेष्ठ कार्य (Best Practice)/कार्यक्रम/नवाचार का नाम : B **विद्यार्थी हित–केन्द्रीः ई–क्लास शिक्षणः एक नवाचार**
5. **क्रियान्वित/प्रारम्भ किये गये श्रेष्ठ कार्य (Best Practice)/कार्यक्रम/नवाचार का विवरण :–**

विद्यार्थी हित–केन्द्री नवाचार

ई–क्लास शिक्षणः एक नवाचार

A (Best Practice) नवाचार के प्रारम्भ होने की तिथि एवं वर्ष :– .....

B (Best Practice) नवाचार को प्रारम्भ करने के उददेश्य :–

- विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल शिक्षण विधियों की ओर प्रेरित करना।
- नवीन आईटी आधारित शिक्षण पद्धत्ति द्वारा विद्यार्थियों तक उनके नियमित पाठ्यकम सामग्री को सीधा प्रसारण कर ज्ञानोपार्जन को बढ़ावा देना।
- शिक्षकों की कमी या शून्य पदस्थापन वाले महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तक पाठ्यकम सामग्री पहुंचाना।

C क्रियान्वयन की रूपरेखा/योजना प्रारूपः–

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के आदेशानुसार अक्षरशः पालना करते हुए उक्त नवाचार को निम्न योजना स्वरूप में अन्तिम रूप दिया गया–

- महाविद्यालय द्वारा सर्वप्रथम इस नवाचार की कियान्विति हेतु कम्प्युटर एंव आईटी में दक्ष संकाय सदस्यों की समिति का गठन किया गया–

  नोडल अधिकारीः **डॉ दिलीप कुमार राठौड़, सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र**
  सहायक नोडल अधिकारीः **श्री मनोज कुमार टटवाल सहायक आचार्य–गणित**
  समिति सदस्यः **श्री राजेन्द्र प्रसाद सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र**
  श्री मोहम्मद शाकिर, सहायक आचार्य–उर्दु

  आयुक्तालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर दिनांक 15.03.2016 में दोनों अधिकारियों ने भाग लेकर इस नवाचार की कियान्विति की दिशा में कार्य किया।
- मार्च 2016 में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर द्वारा जारी गाइडलाईन तथा स्वीकृत राशि रू 170000/– के अनुसार महाविद्यालय मे एक ई–क्लास रूम तैयार किया गया, जिसमें रंग–रोगन, पर्दे, LED लाईट्स, फ्लड लाईट्स, लकड़ी का पोडियम, कम्प्युटर, प्रिन्टर, हार्डडिस्क (02), पेनड्राइव, टेबल, कुर्सियां, इनवर्टर तथा बैटरी की व्यवस्था की गई।

- Hi Tech Pvt Ltd द्वारा ई–क्लास रूम की सर्वे की गई।
- नवम्बर 2017 में BSNL बून्दी द्वारा ई–क्लास को 4Mbp इन्टरनेट लीज लाईन से जोड़ा गया।
- वर्ष 2017 में People Link/Hi-tech Pvt ltd द्वारा महाविद्यालय की ई–क्लास में अत्याधुनिक आईटी उपकरण जैसे ई–पोडियम, प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर स्क्रीन, कैमरा (02), LED TV, इनवर्टर, माईक तथा स्पीकर इत्यादि लगाये गये।
- महाविद्यालय के रूसा मद से ई–क्लास में दो एयर कन्डीशनर तथा 80 कुर्सियों की व्यवस्था की गई।
- दिनांक 22.03.2018 से ई–क्लास द्वारा डिजिटल शिक्षण प्रारम्भ हुआ, जिसमें स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाएं पाठ्यकमानुसार प्रारम्भ की गई।
- ई–क्लास की समय–सारणी आयुक्तालय जारी प्रति सप्ताह जारी किया जाता था तथा महाविद्यालय स्तर पर संबन्धित विषय की कक्षा होने पर उसी विषय के संकाय सदस्य की विद्यार्थियों के साथ ड्यूटी लगायी जाती थी।
- संबन्धित शिक्षक द्वारा प्रति कक्षा विद्यार्थियों की उपस्थिति लेकर आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर भेजी गई।

D वित्तीय संसाधनः आवश्यकता स्त्रोत एवं व्ययः–

आवश्यकताः

- साफ–सुथरा, रंग–रोगन रहित बड़ा कमरा जिसकी छात्र क्षमता 60 से अधिक हो।
- पर्याप्त लाईट व पॉवर बैकअप की व्यवस्था।
- गहरे रंग के पर्दे।
- अत्याधुनिक आईटी उपकरण जैसे ई–पोडियम, प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर स्क्रीन, कैमरा (02), LED TV, इनवर्टर, माईक, स्पीकर, हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी इत्यादि।
- एयर कन्डीशनर की व्यवस्था।
- अच्छी क्वालिटी की कुर्सियां।
- कम्प्युटर व आईटी में दक्ष कम्प्युटर सहायक/संकाय सदस्य।

स्त्रोतः

ई–क्लास रूम का निर्माण महाविद्यालय में पूर्व में संचालित बीबीए कोर्स रूम में किया गया तथा इसे निम्न स्त्रोतों से तैयार किया गया–

- आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा People link, Hi Tech Pvt Ltd तथा RSLS के माध्यम से।
- महाविद्यालय के RUSA मद तथा छात्र–निधि मद से।

व्ययः

- आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा कुल स्वीकृत राशि रू 170,000/– (रू 120000/– ई क्लास तैयारी हेतु एवं रू 50000/– कम्प्युटर, प्रिन्टर व सहायक सामग्री हेतु)।
- ई–क्लास में रंग–रोगन, पर्दे, स्म लाईट्स, फ्लड लाईट्स (02), लकड़ी का पोडियम, टेबल (01), कुर्सियां (10), हार्डडिस्क (02), पेनड्राइव (03), इनवर्टर तथा बैटरी इत्यादि कार्यों में रू 199096/– तथा कम्प्युटर व प्रिन्टर में 46700/– खर्च किये गये।
- People link द्वारा ई–क्लास में आईटी आधारित शेष उपकरणों को स्थापित किया गया तथा जिसका व्यय आयुक्तालय स्तर पर ही किया गया।
- महाविद्यालय के Rusa मद से दो एयर कन्डीशनर तथा कुल 80 कुर्सियां कय की गई।
- महाविद्यालय छात्र–निधि मद से सामान्य स्टेशनरी, बेनर इत्यादि का वहन किया जा रहा है।

E (Best Practice) नवाचार से लाभार्थी कौन ?

विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य।

F (Best Practice) नवाचार की क्रियान्वित में संलग्न मानव संसाधन (प्रत्येक कार्यक्रमवार संलग्न व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करें) :

- ई–क्लास रूम के तैयार होन से लेकर शिक्षण प्रारम्भ होने तक प्रमुख रूप से सक्रिय योगदान– **डॉ0 दिलीप कुमार राठौड नोडल अधिकारी एवं सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र।**
- ई–क्लास द्वारा शिक्षण प्रारम्भ होने पर सहायक नोडल अधिकारी **श्री मनोज कुमार टटवाल** तथा समिति सदस्य **श्री राजेन्द्र प्रसाद सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र** तथा **श्री मोहम्मद शाकिर, सहायक आचार्य–उर्दु** ने सहयोग दिया।

G क्रियान्वयन के दौरान चिन्हित समस्याएं एवं समाधान –

समस्याएः

- महाविद्यालय में भवन की कमी।
- ई–क्लास के संचालन हेतु कम्प्युटर सहायक कर्मी का अभाव।
- विद्यार्थियों की अधिक संख्या के कारण महाविद्यालय में कम से कम दो ई–क्लास रूम होने आवश्यक है।

समाधान :

- महाविद्यालय में पूर्व में संचालित बीबीए रूम जिसमें गणित विषय की प्रायोगिक कक्षाएं भी होती थी, को ई–क्लास बनाने हेतु चुना गया और तैयार किया गया।
- राजकीय महाविद्यालय में मानव संसाधन की कमी को पूरा करने के साथ साथ वर्ष पर्यन्त ई–क्लास चलाने हेतु प्रति महाविद्यालय एक कम्प्युटर सहायककर्मी की नियुक्ति आवश्यक है। **अभी हाल ही में Hi-Tch Pvt Ltd द्वारा ई–क्लास के रख–रखाव हेतु एक कम्प्युटर सहायक की नियुक्ति की गई है।**

H क्रियान्वयन से लाभ/उपलब्धि :

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा राजकीय महाविद्यालय बून्दी में स्थापित ई–क्लास द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं का सीधा प्रसारण सत्र 2017–18 के **मार्च 2018** से प्रारम्भ हुआ।

- विद्यार्थियों में आईटी आधारित ई–शिक्षण के प्रति रूझान में बढोतरी हुई।
- आईटी आधारित नवीन शिक्षण विधियों के प्रयोग से विद्यार्थियों में ज्ञानोपार्जन की क्षमता के विकास के साथ–साथ अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से जुड़ाव भी होता है।
- महाविद्यालय में जिस विषय में शिक्षक उपलब्ध नहीं है तो ई–क्लास द्वारा विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के शिक्षण का लाभ मिला।
- अन्यत्र महाविद्यालयों के शिक्षकों के ज्ञान का सीधा लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ तथा कालांश के अन्त में प्रश्नोत्तर द्वारा अपनी जिज्ञासाओं का पूरा करने में सहायक है।
- संकाय सदस्यों को इस नवीन शिक्षण प्रणाली से जुड़ने का अवसर मिला।
- महाविद्यालय के कई शिक्षकों जैसे डॉ बी एल सैनी सह–आचार्य राजनीति विज्ञान, डॉ रमेशचन्द मीणा सह–आचार्य हिन्दी, डॉ दिलीप कुमार राठौड़ सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र, डॉ मनोज कुमार रावत, सहायक आचार्य वनस्पति शास्त्र, डॉ विकास कुमार शर्मा सहायक आचार्य–राजनीति विज्ञान इत्यादि ने पीपीटी द्वारा शिक्षण कार्य में भाग लिया।
- राज्य में ई–क्लास द्वारा शिक्षण में उक्त नवाचार में राजकीय महाविद्यालय बून्दी का नाम अग्रिम महाविद्यालयों की श्रेणी में लिया जाता रहा है। यह महाविद्यालय के लिये गौरव की बात है।

I **(Best Practice) नवाचार की लाभार्थी वर्ग तक जानकारी पहूँचाने हेतु किये गये प्रचार–प्रसार का माध्यम एवं पुनरावृति –**

- स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन किया गया। (प्रति संलग्न)
- महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड, सोशल मीडिया तथा कक्षा–कक्षों में एवं संकाय सदस्यों के माध्यम से ई–क्लास द्वारा शिक्षण को प्रचारित किया।

J **(Best Practice) नवाचार का फोटो/वीडियों रिकार्ड हो तो संलग्न करे –** ***फोटो संलग्न।***

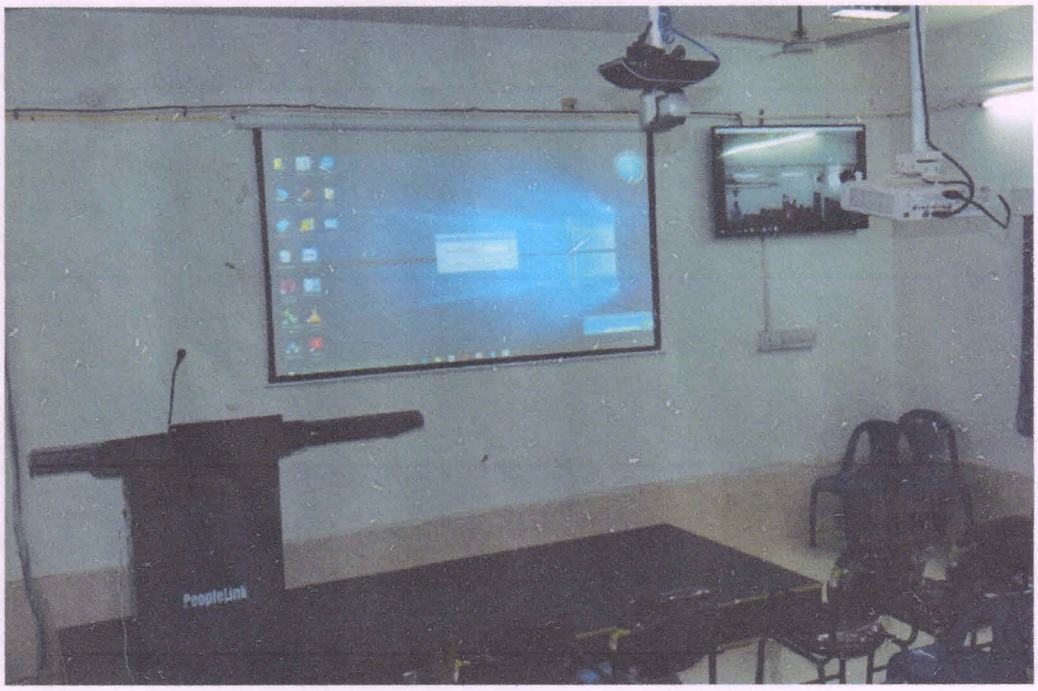

K (Best Practice) नवाचार के लिये किसी विभाग/संस्था/गणमान्य व्यक्ति द्वारा दिया गया प्रशस्ति पत्र अथवा सार्वजनिक उल्लेख –

- राजकीय महाविद्यालय बून्दी में निर्मित ई–क्लास के सफलतापूर्वक संचालन होने पर आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर की संबन्धित टीम द्वारा समय–समय पर प्रशंसा भी की जाती रही है।

L लाभार्थी वर्ग की प्रतिक्रिया – विद्यार्थियों में उक्त नवीन डिजिटल विधि द्वारा शिक्षण के प्रति उत्साह देखा गया साथ ही अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मध्य समन्वय दर्शाते हुये नवीन शिक्षण विधि को सराहते हुये महाविद्यालय एवं आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर को धन्यवाद दिया गया।

M अन्य प्रतिक्रिया –NIL

N विशेष उल्लेख –

राजकीय महाविद्यालय बून्दी ऐसे नवाचारो को भविष्य में जारी रखकर न केवल विद्यार्थी हित बल्कि समाज एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरी रखते हुये सदैव प्रयासरत रहेगा।

श्रीमान् आयुक्त महोदय, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर, द्वारा राजकीय महाविद्यालय बून्दी में विद्यार्थी हित में ई–क्लास का निमार्ण कर नवीन डिजिटल शिक्षण पद्धति के नवाचार करने का जो अवसर को प्रदान किया इसके लिये महाविद्यालय परिवार आपको धन्यवाद प्रेषित करता है।

6.8.18

दिनांकः 06.08.2018

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बून्दी (राज)

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
बून्दी (राज०)

सैकड़ों विद्यार्थी, एक लेक्चरर, ऐसी होगी स्मार्ट कक्षा

बूंदी के पीजी कॉलेज में बनकर तैयार

बूंदी. गवर्नमेंट कॉलेज में स्टूडेंट्स को स्मार्ट क्लास में पढ़ने का मौका मिलेगा। कॉलेजों में यह सुविधा अब तक केवल सेमिनार हॉल में ही थी, लेकिन अब इसके लिए हाइटेक क्लासरूम बनाया गया है। आयुक्तालय के निर्देश पर प्रदेश के 28 कॉलेजों में मार्च 2017 में स्मार्ट क्लास स्थापित करने के आदेश मिले थे, जिसके तहत बूंदी के पीजी कॉलेज में हाइटेक संसाधनों से लेस स्मार्ट क्लास बनकर तैयार हो गई है।जल्द इसकी शुरुआत होगी। बस इसकी फाइनल टेस्टिंग बाकी बताई। टेक्नॉलोजी के दौर में यह स्मार्ट क्लास अहम कदम साबित होगी। कॉलेज में बीए, बीएससी, बीकॉम स्टूडेन्ट्स के लिए विषय विशेषज्ञों की ओर से लेक्चरर की सुविधा होगी। खास बात यह कि एक्सपर्ट द्वारा दिया गया लेक्चर प्रदेश के स्मार्ट क्लास रूम में सभी विद्यार्थियों तक ई-लर्निंग के माध्यम से आसानी से पहुंचेगा। कॉलेज में स्टूडेंट्स को ऑडियो-विजुअल मैथड से पढ़ाया जाएगा।

कई बार स्टूडेंट्स को कई तरह के आंकड़ों की जानकारी व्हाइट बोर्ड पर देना मुश्किल होता है। ऐसे विषयों के लिए यह बहुत ही ज्यादा फायदेमंद साबित होगी।

चलेगी वर्चुअल क्लास

नए सत्र में वर्चुअल क्लास के जरिए विद्यार्थी पढ़ाई करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य भी यही है कि विद्यार्थी ई-लर्निंग टिचिंग से पढ़ाई करें। इसमें शिक्षक ऑनलाइन लेक्चरर देने के साथ छात्रों के प्रश्नों का जवाब देंगे। पॉली कैमरा और प्रोजेक्टर के माध्यम से इसे अन्य जगहों पर भी देखा जा सकेगा।

क्लास में लगे अत्याधनिक संसाधन

राजकोम कम्पनी के तहत जुटाए गए संसाधनों में प्रोजेक्टर, 55 इंच का एलईडी टीवी, ई-कोडियम डेस्टकॉम, इंटरनेट कनेक्टिविटी, सीसीटीवी कैमरे माइक सिस्टम सहित अत्याधुनिक संसाधनों को लगाया गया है।

> [illegible] टीचिंग से पढ़ाई कर सकेंगे। पीजी कॉलेज में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस स्मार्ट क्लास बनकर तैयार हो गई। आयुक्तालय के [illegible] अनुसार 15 फरवरी तक इंटरनेट कनेक्टिविटी जोड़ी जानी है। एक दो दिन में इसके लिए तकनीकी टीम कॉलेज पहुंचेगी। स्मार्ट क्लास को हाईस्पीड ब्रॉडबैंड सेवा से जोड़ा है। छात्र वाईफाई और उन्नत तकनीक का उपयोग कर सकेंगे।
>
> **दिलीप राठौर**, नोडल अधिकारी ई-लर्निंग, बूंदी